

राष्ट्रीय

संदर्भ



कानपुर • शुक्रवार • 4 नवम्बर • 2022

किसानों को डी कंपोजर के साथ दिये गये प्रमाणपत्र

तुर (एसएनबी)। एकूषि एवं प्रौद्योगिकी विविभाग में आयोजित पांच फसल अवशेष प्रवंधन कार्यक्रम के समापन पर किसानों को डीकंपोजर के साथ भागी किसानों को प्रमाणपत्र दिये गये।

त्रिवि के अधीन संचालित नगर कृषि विज्ञान केन्द्र के इन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने को फसल अवशेष पराली आदि नव इसको जलाने से होने वाले नों को लेकर प्रशिक्षित किया गया। इसके पर किसानों ने पराली न जलाने वाले भी न जलाने देने की शपथ भी ली। इन कार्यक्रम के तहत केन्द्र के वरिष्ठ एवं डॉ. राम प्रकाश, संयोजक नील खान, उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अरुण सिंह, डॉ. मिथिलोश, डॉ. शशिकांत, और प्रकाश व डॉ. अजय कुमार सिंह ने उन्होंने सामान्य खेती-न्वारी की जानकारी



फसल अवशेष प्रवंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर किसानों को डी कंपोजर व प्रमाण पत्र देते आयोजक।

देने के साथ ही पराली से वर्मा कंपोस्ट व नाडेप कंपोस्ट बनाने की विधि को विस्तार से बताया गया। किसानों को पराली का उपयोग सब्जी फसलों व प्राकृतिक खेती में करने वाली के भूसे द्वारा मशरूम की खेती करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। डॉ. सुभाष चन्द्रा की अध्यक्षता में आयोजित समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामजी अग्निहोत्री व विशिष्ट अतिथि डॉ. एसएल वर्मा रहे। शुभम यादव व गौरव शुक्ला ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय योगदान किया।

राष्ट्रीय स्पर्श

aswaroop.in

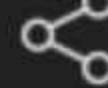
पंजाब किंग्स के सहायक कोच बने हैंडिन 10

पांच दिवसीय प्रशिक्षण समाप्ति पर डी कंपोजर एवं प्रमाण पत्र किए गए वितरित

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समाप्ति किया गया। यह प्रशिक्षण 30 अक्टूबर को प्रारंभ किया गया था। इस प्रशिक्षण में विकासखंड मैथा के विभिन्न गांवों के कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रशिक्षण में किसानों को फसल की पराली ना जलाने वह जलाने से क्या हानियां होती हैं उसके बारे में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में हमारे कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ रामप्रकाश ने किसानों को समय से गेहूं बुवाई करने तथा खरपतवार प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दिया तथा इस कार्यक्रम के आयोजक डॉक्टर खलील खान ने किसानों को सुपर सीडर तथा मल्चर का



उपयोग को बताया। डॉ अरुण कुमार सिंह उद्यान वैज्ञानिक ने किसानों को पराली का उपयोग सब्जी की फसल व प्राकृतिक खेती में कैसे करें इसके बारे में जानकारी दी। तथा डॉ मिथिलेश ने किसानों को पराली के भूसे द्वारा मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक किया। तथा हमारे केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को पराली से वर्मी कंपोस्ट वह नाडेप कंपोस्ट बनाने की विधि को विस्तार से बताया व अंत में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामजी अग्निहोत्री एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ सुभाष चंद्रा तथा विशिष्ट अतिथि डॉक्टर एसएल वर्मा ने किसानों को प्रमाण पत्र एवं डी कंपोजर वितरण किए। इस अवसर पर किसानों ने शपथ भी ली की पराली ना जलाएंगे ना दूसरों को जलाने देंगे। बल्कि मिट्टी में मिला कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाएंगे। इस अवसर पर डॉ शशि कांत ने भी किसानों को जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने भी जानकारी दी इस अवसर पर शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न कराने में विशेष योगदान रहा।



टेटा-विटेटा

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक।

उत्तर प्रदेश

इमरान खान के लॉन्च मार्च में फायरिंग... 12

स्कूल-कॉलेज यंक कर होटल में मौज मरती...

10



लखनऊ

पृष्ठ: 14 | ओफ़: 24

मुद्रा: ₹ 3.00/-

पैज़ : 12

सुखनार | 04 जानूर, 2022

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews

janexpresslive

janexpresslive

www.janexpresslive.com/epaper

किसानों को पराली जलाने के नुकसान बताए



जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में चल रहे पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत कृषक प्रशिक्षण का समापन गुरुवार को हुआ। इस प्रशिक्षण में

विकासखंड मैथा के विभिन्न गांवों के कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें किसानों को फसल की पराली जलाने से होने वाली हानियों के बारे में बताया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रामप्रकाश ने किसानों को समय से गेहूं बुवाई करने तथा खरपतवार प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। डॉ. खलील खान ने किसानों को सुपर सीडर तथा मल्चर का उपयोग करने के बारे में बताया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामजी अग्निहोत्री, डॉ. सुभाष चंद्रा और विशिष्ट अतिथि डॉ. एस.एल. वर्मा ने किसानों को प्रमाण पत्र एवं डी कंपोजर वितरण किए।

उत्तराखण्ड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांघ्य दैनिक समाचार पत्र

जानकारी दुके

वर्ष: 13

अंक: 257

देहरादून, गुरुवार, 03 नवंबर, 2022

पृष्ठ: 08

आपला चता द एक सुख्रता आर मन्दगा संकरता है।

नवाना न बच्चा को बताया कि नित्य बनाने के लिए आग भा समाज मे रो नोजूद रह।

पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन के प्रशिक्षण का हुआ समाप्त

अनित मिश्र (कलाकार)

कानपुर: चंद्रशेखर झाजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विज्ञानिकालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दत्तीप नगर में आज पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना के उत्तरांत पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समाप्त कियानी गया। यह प्रशिक्षण दिनांक 30 अक्टूबर 2022 को प्रारंभ किया गया था।

इस प्रशिक्षण में विकाससंगठ मैथा के विभिन्न गांवों के कुल 25 प्रशिक्षणार्थी ने प्रतिभाग किया। इस प्रशिक्षण में किसानों को फसल की पराली ना जासाने वाला जलाने से बचा हानियां होती हैं उसके बारे में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में हमारे कृषि



विज्ञान वैद्यक के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ रामलकाश ने किसानों को समय से गेहूँ बुजाई करने तथा खरपतवार प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दिया तथा इस कार्यक्रम के आयोजक डॉक्टर दत्तील द्वान ने किसानों को

सुपर सीढ़ी तथा मल्वर का उपयोग को बताया। डॉ अरुण कुमार सिंह द्वान वैज्ञानिक ने किसानों को पराली का उपयोग सब्जी की फसल व प्राकृतिक खेती में कैसे करें इसके बारे में जानकारी दी। तथा डॉ

मिथिलेश ने किसानों को पराली के भूसे द्वारा भृकूल की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक किया तथा हमारे बैंड के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को पराली से वर्णी कॉफेर्स्ट

वह नाडेप कॉफेर्स्ट बनाने की विधि को विस्तार से बताया। व अत मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामली ऊमिहोत्री एवं कार्यक्रम के उम्मेद लो सुभाष चंद्रा तथा विशिष्ट अतिथि डॉक्टर एसएल वर्मा ने किसानों को प्रमाण पत्र एवं दी कांपोजार वितरण किए। इस अवसर पर किसानों ने शपथ भी ली की पराली ना जासानी ना दूसरों को जलाने देंगे। बल्कि मिश्र में मिला कान मिश्र की उर्वश शालि बढ़ाएंगे। इस अवसर पर लो शाशि कांत ने भी किसानों को जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने भी जानकारी दी। इस अवसर पर शुभम याद एवं गौरव शुक्ला का कार्यक्रम संकलतापूर्वक संपन्न कराने में दिलोप योगदान रहा।

नुस्खा 03 नवंबर 2022 | अंक - 290

 www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

WORLD खबर एक्सप्रेस

 www.twitter.com/worldkhabarexpress  www.facebook.com/worldkhabarexpress  www.youtube.com/worldkhabarexpress **MID DAY**

पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन के प्रशिक्षण का हुआ समापन

डी कॉपोजर एवं प्रमाण पत्र किए गए वितरित

कालापुर। चंद्रशेखर आजाद ने डी कॉपोजर एवं प्रमाण पत्र किए गए विशिष्ट फसल अवशेष प्रबंधन के अधीन संचालित छूटि विहार केंद्र दालीन नगर में जाव घंघ लियारीय फसल संबंधी प्रबंधन विधायिका के भूमिका घंघ लियारीय बहुकालिक विशिष्ट कालापुर का समापन किया गया। वह उत्तिला दिनांक 30 अक्टूबर 2022 को प्रारंभ किया गया था। इस उत्तिला में विकासगृह गैरि के विशिष्ट गोर्हों के कुल 25 उत्तिलाहारियों ने प्रतिशतग्रा किया। इस उत्तिला में किलानी की फसल की पालती ना जलाने वह जलाने से सब हानियां होती हैं ताके गोरे में उत्तिला दिया गया उत्तिला गैरिनिक में हमीर कृषि विहार केंद्र



के चौथे वैज्ञानिक डी लाइकाल ने किलानी की समय से गैरु बुराई करने वाला खाएफावार प्रबंधन के बारे में विज्ञान गैरि जलानी की विशिष्ट गोर्हों के कुल 25 उत्तिलाहारियों ने प्रतिशतग्रा के भूमि द्वारा मशहूर की गोर्हों की बहुत दैने के लिए किलानी की जालानक लिया गया है। डी कॉपोजर एवं प्रमाण पत्र किए गए वितरित करने के लिए वैज्ञानिक डी लाइक बुराई सिंह ने किलानी की जालानी से वर्षी कॉर्पोरेट का

पालती का उपयोग लग्जी की फसल ये प्राकृतिक गोर्हों में कैसी कर्ते हुमें कौरा में जलानी होती है। तथा डी विभिन्नता ने किलानी की फसल के भूमि द्वारा मशहूर की गोर्हों की बहुत दैने के लिए किलानी की जालानक लिया गया है। डी कॉपोजर एवं प्रमाण पत्र किए गए वितरित करने के लिए वैज्ञानिक डी लाइक बुराई सिंह ने किलानी की जालानी से वर्षी कॉर्पोरेट का



नामेव कॉर्पोरेट वसने की विधि की विज्ञा में जलाना ये तुम्हें मैं बुराई जीवित विज्ञा पंचायत संसद लग्जी गोर्होंहोती है। एवं कालीनम के भूमि द्वारा सुखान लग्जी नवा विशिष्ट विशिष्ट डी कॉपोजर एवं प्रमाण पत्र किए गए वितरित करने के लिए वैज्ञानिक डी लाइक बुराई सिंह ने भी जलानी होती है। इस उत्तिला पर सुखान लग्जी एवं गोर्होंका वितरित किया गया। इस उत्तिला पर सुखान लग्जी किलानी ने जालानी भी लग्जी की जालानी ना

न्यूज डायरी

पराली जलाने से मिट्टी को पहुंचता नुकसान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर में गुरुवार को पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह ने विकासखंड मैथा से आए किसानों को बताया कि खेत में पराली जलाने से मिट्टी के पोषकतत्व कम हो जाते हैं, मिट्टी खराब हो जाती है। इसके साथ ही वायु प्रदूषण भी बढ़ता है। डॉ. खलील खान ने किसानों को सुपर सीडर व मल्चर के उपयोग के बारे में बताया। जिला पंचायत सदस्य रामजी अग्निहोत्री व डॉ. सुभाष चंद्रा ने किसानों को प्रमाणपत्र के साथ डी-कंपोजर बांटे। (ब्यूरो)